30 / 05 / 74 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सेवा में बाप के सदा सहयोगी और एवर-रेडी बनने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा बाबा के कमरे में एकांत में बैठ स्वयं को देख रही हूँ... मैं भृकुटी के मध्य चमकता हुआ एक सितारा हूँ... मस्तक मणि हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा सितारा सर्व शक्तियों को स्वयं में भरने पहुँच जाती हूँ सर्व शक्तिवान बाबा के पास... परमधाम...

→ सामने बिंदु स्वरुप में चमकते हुए शिवबाबा...

■ शिवबाबा से निकल रही है रंग-बिरंगी किरणें..

➳ _ ➳ ज्ञान सागर शिवबाबा से निकल रही ज्ञान की नीले रंग की किरणों की जलधारा मुझ पर बरस रही है...

→ ज्ञान की जलधारा में नहाकर मुझ आत्मा की सारी अज्ञानता बाहर निकल रही है...

■ मैं आत्मा मास्टर ज्ञान का सागर होने का अनुभव कर रही हूँ...

➳ _ ➳ पवित्रता के सागर से निकल रही सफ़ेद पवित्र किरणों की वर्षा मुझ पर हो रही है...

→ मुझ आत्मा की जन्म-जन्म की अपवित्रता काले बादलों के रूप में बाहर निकल रही है...

■ मैं आत्मा मास्टर पवित्रता का सागर बन रही हूँ...

➳ _ ➳ सुख के सागर से सुख की पीले रंग की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं...

→ मैं आत्मा सुख के सागर में समाते जा रही हूँ...

→ मुझ आत्मा के सारे दुःख और पीडाएं समाप्त हो रही हैं...

■ मैं आत्मा मास्टर सुख का सागर बन रही हूँ...

➳ _ ➳ शांति के सागर से शांति की आसमानी रंग की किरणों का झरना मुझ आत्मा में समाते जा रहे हैं...

→ मुझ आत्मा की सारी अशांति समाप्त हो रही है...

→ शांति मेरा निजी गुण है... मैं आत्मा अपने स्वधर्म में टिक रही हूँ...

■ मैं आत्मा मास्टर शांति का सागर होने का अनुभव कर रही हूँ...

➳ _ ➳ आनंद के सागर से आनन्द की बैंगनी रंग की किरणें मुझ पर बरस रही हैं...

→ मैं आत्मा आनंद के सागर में गोते खा रही हूँ... मुझ आत्मा के सारे दुःख, दर्द ख़त्म हो गए हैं...

■ मैं आत्मा मास्टर आनंद का सागर हूँ...

➳ _ ➳ प्रेम के सागर से निकल रही प्रेम की हरे रंग की किरणों का फाउंटेन मुझ आत्मा पर पड़ रही हैं...

→ मुझ आत्मा से ईर्ष्या, जलन, द्वेष, नफरत के भाव समाप्त हो रहे हैं... सर्व के प्रति प्रेम के भाव जग रहे हैं...

■ मैं आत्मा मास्टर प्रेम का सागर बन रही हूँ...

➳ _ ➳ शक्तियों के सागर सर्व शक्तिवान बाबा से सर्व शक्तियों की लाल रंग की किरणों की बौछारें मुझ आत्मा पर पड़ रही है...

→ मुझ आत्मा से सारी कमी-कमजोरी, आलस्य, अलबेलापन मिट रहा है...

→ मैं आत्मा सर्व शक्तियों को स्वयं में ग्रहण कर रही हूँ...

■ मैं आत्मा मास्टर शक्तियों का सागर होने का अनुभव कर रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा सर्व गुणों और सर्व शक्तियों से सुस्सजित हो गई हूँ...

→ बाबा ने मुझे दिव्य गुणों और शक्तियों से श्रृंगार कर मुझे शिव शक्ति बना दिया है...

■ मैं आत्मा मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा धीरे-धीरे नीचे उतरकर सूक्ष्म वतन में बापदादा के सम्मुख बैठ जाती हूँ...

→ बापदादा मुझे रूहानियत से भरपूर करते हुए 'विजयी भव' का वरदान देते हैं...

➳ _ ➳ मैं आत्मा बापदादा के साथ विश्व ग्लोब पर बैठ जाती हूँ...

→ मैं शिव शक्ति सर्व शस्त्रों से सुसज्जित होकर सर्व शक्तियों की किरणों को पूरे विश्व में फैला रही हूँ...

→ मैं आत्मा रूहानियत की दृष्टि, वृत्ति से सर्व आत्माओं की परिस्थितियों को और सम्पूर्ण वायुमंडल को परिवर्तित कर रही हूँ...

■ सभी आत्माएं इन शक्तियों को ग्रहण कर रही हैं...

■ सबके दुःख, अशांति दूर हो रही है...

➳ _ ➳ मैं आत्मा सदा सर्व शक्तियों शस्त्रों को समय प्रमाण विश्व सेवा में यूज कर रही हूँ...

→ मैं आत्मा बाबा की सहयोगी, राईट हैण्ड हूँ...

■ विश्व की सभी आत्माओं को बाप से मिला रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा आर्डर होते ही सर्व शक्तियों को कार्य में लगाती हूँ...

→ मैं आत्मा अपने महान भाग्य पर नाज कर रही हूँ...

→ स्वयं भगवान ने मुझे अपने कार्य में सहयोगी बनाया है...

■ मैं आत्मा बाबा के साथ से सर्व आत्माओं को आप समान बना रही हूँ...

■ मैं आत्मा सदा विश्व सेवा के स्टेज में सर्व शस्त्रों के साथ एवररेडी रहती हूँ...